शिक्षक ने उठाया बीड़ा

रामफूल गुर्जर,
सहा. निदेशक(जन संपर्क)
जयपुर, राज.
(मो.)8875002802

टोंक जिले की मालपुरा तहसील के अंतिम छोर पर कुराड़ ग्राम पंचायत में एक छोटा सा गांव बसा है जिसका नाम थड़ी हैं। इस गांव में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय है जहां पीपल्या गांव के एक शिक्षक श्री भंवरलाल गुर्जर ने इस विद्यालय को डिजिटल (आई.टी) विद्यालय में तब्दील करने का सपना देखा और उस सपने को अमलीजामा पहनाने का बीड़ा उठाया तो शुरू में तो कई लोगो ने मुंह मोड़ लिया, परन्तु स्कूल को डिजिटल करने की जिम्मेदारी उठायी तो प्रधानाध्यापक श्री विश्म्भर दयाल शर्मा ने कंधे से कंधा मिलकर साथ दिया तो श्री गुर्जर ने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। फिर क्या था अपने विद्यार्थियों को सुविधा देने के लिए उन्होंने थड़ी गांव के घर-घर जाकर अभिभावकों को प्रेरित किया व तहसील के दानदाताओं से भी भंवर लाल गुर्जर सहयोग मांगना शुरू किया।

विद्यालय में बदलाव की यह बयार 8 साल पहले शुरू हुई थी। वर्ष 2008 से चल रही श्री भंवरलाल की यह मुहिम रंग लाने लगी। अब तक उन्होंने लगभग 3.50 लाख रुपए बतौर सहयोग इक्कट्ठे कर लिये है। इस राशि से स्कूल की चारदीवारी का काम पूरा करवाया है, स्कूल की दीवारों पर प्लास्टिक वॉल पेंटिंग करवाई है, शौचालय बनवाएं है, एलईडी लगवाई और सीसीटीवी कैमरे के साथ वाकीटॉकी की व्यवस्था की। विद्यालय में परदे लगवाये और आकर्षक गेट लगवाए। यह शिक्षक 4 मार्च 2005 में इस स्कूल में नियुक्त हुए तब हालत यह थी कि विद्यालय जर्जर हालत में था, शुद्ध पेयजल, साफ-सफाई एवं शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं के नाम पर कुछ भी नहीं था। नतीजतन कुछ वर्षो पहले तक इस विद्यालय में विद्यार्थियों का नामांकन 100 से कम था जो अब सवा सौ विद्यार्थियों से ऊपर है।

इनके इस सकारात्मक अभियान से अन्य शिक्षकों ने भी सहभागिता निभाकर रूची ली और जन सहयोग से इन्होंने विद्यालय की सूरत ही बदल डाली। आज यह विद्यालय जिले के निजी विद्यालयों को मात दे रहा है।

****